नीलगिरी जैवविविधता में बाघों की मृत्यु चिंतनीय

प्रिलिम्स के लिये:

[बायोस्फीयर रिज़र्व](), नीलगिरि बायोस्फीयर रिज़र्व, [बाघ]()

मेन्स के लिये:

बाघ संरक्षण का महत्त्व, संबंधित पहलें

[स्रोत: द हिंदू]()

चर्चा में क्यों?

तमिलनाडु का नीलगिरी ज़िला जैवविविधता से समृद्ध है और यहाँ बड़ी संख्या में **बाघ** पाए जाते हैं। हालाँकि पिछले दो महीनों में इस ज़िले में विभिन्न कारणों से 10 बाघों की मौत हो चुकी है।

- बाघों की मृत्यु के परिणामस्वरुप उनके संरक्षण एवं अस्तित्त्व को लेकर संरक्षणवादी और प्राधिकारी चिंतित हैं।

नीलगिरी में बाघों की मृत्यु का कारण:

- **बाघों का उच्च घनत्त्व:**
  - **नीलगिरि बायोस्फीयर रिज़र्व** के [मुदुमलाई-बांदीपुर-नागरहोल]() **परिसर** में बाघों की संख्या व घनत्त्व अधिक होने के कारण काफी सारे बाघ **मुकुर्थी राष्ट्रीय उद्यान**, नीलगिरि तथा **गुडलूर वन प्रभागों के** आसपास के आवासों की ओर प्रस्थान कर रहे हैं, जिसके परिणामतः [मानव-वन्यजीव संघर्ष]() के मामले में भी वृद्धि देखी गई है।
  - बाघों की संख्या में वृद्धि से स्पॉटेड डियर और [इंडियन गौर]() जैसी शिकारी प्रजातियों पर प्रभाव पड़ता है।
    - प्राकृतिक शिकार की कमी के कारण बाघ, **पशुओं को निशाना बना सकते** हैं, जिससे **संघर्ष बढ़ सकता** है और **परिणामस्वरूप अधिक मौतें** हो सकती हैं।
- **भुखमरी और संक्रमण:**
  - मुदुमलाई टाइगर रिज़र्व के बफर ज़ोन में बाघ के शावक मृत पाए गए, जिनकी उम्र दो सप्ताह बताई जा रही है।
    - पोस्टमॉर्टम में **भुखमरी या नाभि संक्रमण** जैसे संभावित कारणों की आशंका जताई गई है।

बाघों की संख्या के खतरों को लेकर संरक्षणवादियों की चिंताएँ:

- **अवैध शिकार का खतरा: नीलगिरी ज़िले में हाल ही में हुई शिकार की घटनाएँ बाघों के लिये लगातार खतरे को रेखांकित करती हैं।**
  - आखेटक, बाघों को उनके मूल्यवान शारीरिक अंगों, जैसे **खाल, हड्डियों और अन्य अंगों** के लिये निशाना बनाते हैं, जिससे आबादी के लिये गंभीर खतरा उत्पन्न होता है।
- **ट्रैकिंग और सुरक्षा का अभाव: बाघों की आबादी को प्रभावी ढंग से ट्रैक करने और उनकी सुरक्षा करने में प्रत्यक्ष चुनौतियाँ इसकी चिंताओं का कारण हैं।**
  - इन प्रभावशाली जानवरों की निगरानी और सुरक्षा करने में असमर्थता संरक्षणवादियों की चिंताओं में से एक है।
- **शिकार प्रबंधन का अभाव:** संरक्षित क्षेत्रों में अपर्याप्त शिकार जनसंख्या प्रबंधन से असंतुलन उत्पन्न हो सकता है।
  - बाघों के लिये पर्याप्त शिकार सुनिश्चित करना उनके अस्तित्व के लिये आवश्यक है।
- **पर्यावास का क्षरण:** क्षरित आवास सीमित संसाधन प्रदान करते हैं, जिससे बाघों को भोजन की तलाश में भटकने के लिये मजबूर होना पड़ता है।
  - मानवीय गतिविधियों, वनों की कटाई और अतिक्रमण से बाघों के निवास स्थान को क्षति पहुँचती है।

नीलगिरि बायोस्फीयर रिज़र्व:

- **परिचय:**
  - नीलगिरि शब्द, **जिसका अर्थ "नीले पहाड़" है,** तमिलनाडु में नीलगिरि पठार में नीले फूलों से अच्छादित पहाड़ों (नीलकुरिंजी फूल) से लिया गया है।
    - यह रिज़र्व तीन भारतीय राज्यों में फैला हुआ है: **तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल।**
  - यह **यूनेस्को के मानव और जीवमंडल कार्यक्रम** के तहत भारत का पहला बायोस्फीयर रिज़र्व है, जो वर्ष 1986 में स्थापित किया गया था।
  - यह **आदियान, अरनादान, कादर, कुरिचियन, कुरुमन और कुरुम्बा जैसे कई आदिवासी** समूहों का निवास स्थल है।
  - यह विश्व के **अफ्रीकी-उष्णकटिबंधीय और इंडो-मलायन जैविक क्षेत्रों के संगम** को चित्रित करता है।
- **जीव-जंतु:**
  - **यहाँ नीलगिरि तहर, नीलगिरि लंगूर, स्लेंडर लोरिस, काला हरिण, बाघ, गौर, भारतीय हाथी और नेवला** जैसे जीव **पाए जाते हैं।**
  - मीठे जल की मछलियाँ जैसे **नीलगिरि डेनियो (*Devario neilgherriensis*), नीलगिरि बार्ब (*Hypselobarbus dubuis*) और बोवेनी बार्ब (*Puntius bovanicus*)** इस बायोस्फीयर रिज़र्व के लिये स्थानिक हैं।
- **NBR में संरक्षित क्षेत्र:**
  - **मुदुमलाई वन्यजीव अभयारण्य, वायनाड वन्यजीव अभयारण्य, बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान, नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान, मुकुर्थी राष्ट्रीय उद्यान और साइलेंट वैली** इस रिज़र्व के अंदर मौजूद संरक्षित क्षेत्र हैं।

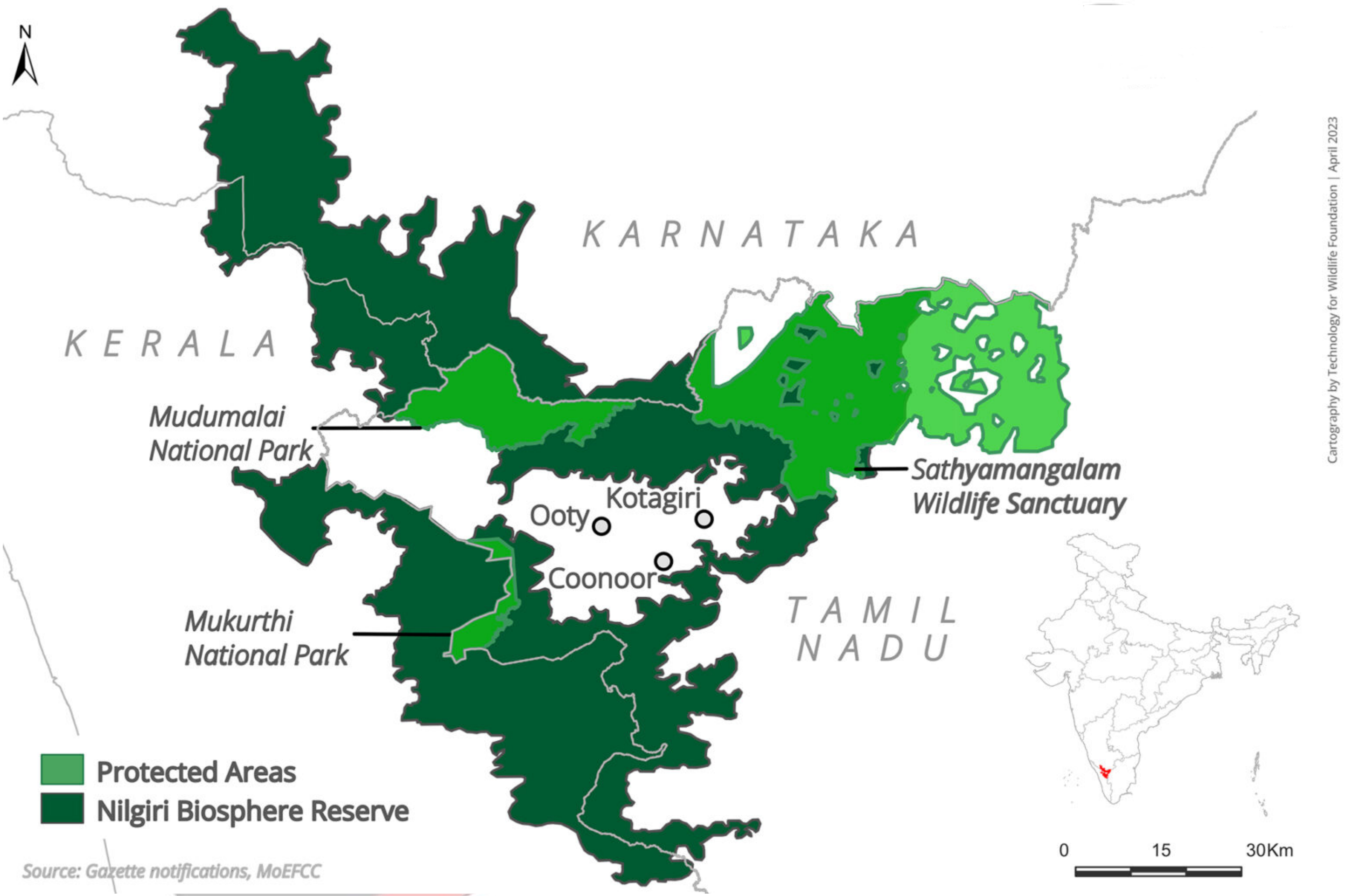

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित बाघ आरक्षित क्षेत्रों में "क्रांतिक बाघ आवास (Critical Tiger Habitat)" के अंतर्गत सबसे बड़ा क्षेत्र किसके पास है? (2020)

(a) कॉर्बेट
(b) रणथंभौर

(c) नागार्जुनसागर-श्रीसैलम
(d) सुंदरवन

उत्तर: (c)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tiger-deaths-raise-concerns-in-nilgiris-biodiversity